Re. COMMUNAL DISTURBANCES IN UTTAR PRADESH

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : महोदय मैं आपकी परमीशन से सरकार का ध्यान एक अहम मसले की ओर दिलाना चाहता हूं। मैडम, हमारे यहां के **(व्यवधान)** मैडम, मैं आपकी अनुमति से एक अहम मामला उठाना चाहता हूं। मैडम, आप जानती हैं कि उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर दंगे हो रहे हैं जिसमें बनारस भी है। बनारस एक शांत जगह है **(व्यवधान)** आप अच्छी तरह से जानती हैं कि वहां हिन्दु और मुसलमान मिल्लत के साथ रहा करते थे इसी बनारस में पिछले एक महीने से दंगे की आग भड़क रही है। मैडम, हमारे दल के पांच संसद सदस्य बनारस की हालत जानने के लिए, सच्चाई मालूम करने के लिए वहां जा रहे थे। उन सदस्यों में से हमारे मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी साहब भी हैं, जो अपनी जान खतरे में रखकर हिन्दु और मुस्लिम एकता के लिए बनारस जा रहे थे। लेकिन बनारस पहुंचने से पहले ही उत्तर प्रदेश सरकार ने इनको अरेस्ट कर दिया और अरेस्ट करके आजमगढ़ भेज दिया। मैडम, मैं आपके द्वारा जानना चाहता हूं कि यह मुल्क किसका है? यह मुल्क क्या किसी एक दल का है, या किसी एक मजहब का है या यह मुल्क किसी एक सरकार की अपनी वपौती है? मैं जानना चाहता हूं कि अगर संसद सदस्य सच्चाई जानने के लिए देश के किसी हिस्से में जाना चाहते हों तो उनको जाने दिया जायेगा या नहीं जाने दिया जायेगा? यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। मैडम, आप जानती ही है कि बनारस के मामले में हमारे सभी दलों के सदस्यों, डा० रत्नाकर पाण्डेय और अन्य सदस्यों ने इस सदन में मामला उठाया है कि वहां पर किस तरह से मनुष्यता का खून हुआ है, किस तरह से वहां पर हैवानियत का नंगा नाच हुआ है। यह जो वहां पर हुआ है यह इतिहास पर कालिख पोतता है। नजीर बनारसी, जिनको हम कबीर का अवतार मान हैं उनके घर पर किस तरह से बहशियानापना कांड हुआ। इसलिए मैडम, मैं चाहता हूं कि इस मसले को गंभीरता से लिया जाय और आजमी साहब को सुना जाय और अगर आवश्यक हो तो इस मामले को प्रिविलेज कमेटी को सौंपा जाये।

श्री मोहम्मद उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं यह जानना चाहता हूं ...

†[شری محمد افضل عرف م- افضل:

مے ڈم میں جاننا چاہتا ہوں ..

उपसभापति : आपकी अपनी जगह पर जाइये। शिष्ट बोलिये, आपकी जो जगह है वहां जाकर बोलिये।

श्री मोहम्मद उर्फ मीम अफजल : वहां से आवाज नहीं सुनाई देती।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل:

وہاں سے آواز نہیں سنائی دیتی -

उपसभापति : आपकी आवाज तो बाहर से भी सुनायी देगी। आप तशरीफ ले जाइये अपनी जगह पर **(व्यवधान)** एक और बात सुनिये, बोलने से पहले इजाजत मांग लेनी चाहिए। आप वापस अपनी जगह पर जायें।

† [Transliteration in Arabic Script.]

मोलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं सही पोजीशन हाउस के सामने रखना चाहता हूं, दरख्वास्त करना चाहता हूं। मैडम, मैं यह गुजारिश करना चाहता हूं कि हाउस में मुझे अपनी बात रखने की इजाजत दी जाय ताकि आपको पता चले कि यू०पी० सरकार इस वक्त देश को किस रास्ते पर ले जाना चाहती है। मैडम, पांच रुकनी एक दल जांच के लिए वहां जा रहा था। लेकिन 300 पुलिस लगाकर इस दल को स्टेशन पर न केवल गिरफ्तार किया गया सेवापुरी में, बल्कि ए०डी०एम० ने यह कहा कि जल्दी से ट्रेन से उतरते हो या नहीं वरना हम आपके साथ भी सख्ती बरतेंगे। इस पर मैंने कहा कि क्या मुझे भी डा० अनीस अंसारी समझकर कत्ल करोगे।

मैं किसी कीमत पर यहाँ से नहीं उठता इसलिए मैं जरूर जाऊंगा बनारस में। मैं हिन्दू और मुसलमान की निगाह से बनारस का फसाद नहीं देख रहा हूं। वहां हिंदु भाई भी मारा गया है और मुसलमान भी मारा गया है। उनको दवा चाहिए, दारू चाहिये, उनको हर तरह से **(व्यवधान)** दवादारू उर्दू में बोला जाता है। **(व्यवधान)** एक मिनट मैं इसको साफ कर दूं। दवादारू उर्दू जबान की एक इस्तलाह है **(व्यवधान)** सुन लीजिए, उर्दू जबान बड़ी भरी हुई जबान है। दवादारू का मतलब है पट्टी, मरहम, दवा और इंजेक्शन। कोई आदमी उस दारू के चक्कर में न रहे जो सुरा के नाम पर हिन्दुस्तान को मौत के हवाले कर रही है। मैं यह कहना चाहता हूं कि वहां उन्होंने मेरे साथ सख्ती की और दुर्व्यवहार किया। तब उन्होंने मुझे बहुत सख्त देखा तो पुलिस वालों से ए०डी०एम० ने कहा कि तुम लोगों को क्या हो गया है। हम कुछ एम०पी०, एम०एल०ए० नहीं जानते। तुम इन लोगों के साथ सख्ती से बर्ताव क्यों नहीं करते हो। इस पर मैंने वाकायदा प्रिविलेज नोटिस चेयरमैन साहब को दे दिया है और मैं चाहता हूं कि इस पर बहस कराई जाए। यू०पी० सरकार के आडर से मुझे और मेरे साथियों को गिरफ्तार किया गया, हमारा जम्हूरी हक छीना गया। इसलिए मैं चाहता हूं और दरख्वास्त करता हूं कि यू०पी० के चीफ मिनिस्टर कल्याण सिंह आकर माफी मांगे **(व्यवधान)**

†[مولانا عبیداللہ خاں اعظمی (اتر پردیش) : میڈم میں صحیح پوزیشن ھاؤس کے سامنے رکھنا چاھتا ھوں - درخواست کرنا چاھتا ھوں - میڈم میں یہ گذارش کرنا چاھتا ھوں کہ ھاؤس میں مجھے اپنی بات رکھنے کی اجازت دی جائے - تاکہ آپکو پتہ چلے کہ یو - پی - سرکار اس وقت دیش کو کس راستہ پر لے جانا چاھتی ھے - میڈم پانچ رکنی ایک دل جانچ کیلئے وھاں جا رھا تھا - لیکن ۳۰۰ والے پولیس لگاکر اس دل کو اسٹیشن پر نہ کیول گرفتار کیا گیا - سیوا پوری میں بلکہ - اے - ڈی - ایم - نے یہ کہا کہ جلدی سے ٹرین سے اترتے ہو

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

ایم - نے کہا کہ تم لوگوں کو کیا ہو گیا ہے - ہم کچھ ایم - پی - ایم - ایل - اے نہیں جانتے تم ان لوگوں کے ساتھ سختی سے برتاؤ کیوں نہیں کرتے ہو - اس پر میں نے باکادہ پریولیج نوٹس چیرمین صاحب کو دیدیا ہے - اور میں چاہتا ہوں کہ اس پر بحث کرائی جائے - یو - پی - سرکار کے آرڈر سے مجھے اور میرے ساتھیوں کو گرفتار کیا گیا - ہمارا جمہوری حق چھینا گیا - اسلئے میں چاہتا ہوں - اسلئے میں چاہتا ہوں اور درخواست کرتا ہوں کہ یو - پی - کے چیف سیکرٹری کلیان سنگھ آکر معافی مانگیں - ... (مداخلت) ...]

श्री शंकर दयाल सिंह : उपसभापति महोदया, मैं समझता हूं लीडर आफ दी हाऊस हमारे गृह मंत्री जी चव्हाण साहब हैं, उनको इस पर अपना रियेक्शन देना चाहिए (व्यवधान) लीडर आफ दी हाऊस भी हैं और गृह मंत्री जी भी हैं, उनको रियेक्शन देना चाहिए (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मुख्य मंत्री कल्याण सिंह के आदेश पर अधिकारियों ने मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी जी को नहीं जाने दिया (व्यवधान) इसकी सारी जिम्मेदारी मुख्य मंत्री की है (व्यवधान) उन्हें सदन में बुला कर के, चाहे कोई सदस्य हो (व्यवधान)

یا نہیں ورنہ ہم آپکے ساتھ بھی سختی برتینگے - اس پر میں نے کہا کہ کیا مجھے بھی ڈاکٹر انیس انصاری سمجھکر قتل کروگے - میں کسی قیمت پر یہاں سے نہیں اٹھتا - اسلئے میں ضرور جاؤنگا بنارس - میں ہندو اور مسلمان کی نگاہ سے بنارس کا فساد نہیں دیکھ رہا ہوں - وہاں ہندو پولیس بھی مارا گیا ہے - اور مسلمان بھی مارا گیا ہے - انکو دوا چاہئے - دارو چاہے - انکو ہر طرح سے ... (مداخلت)] .. دوا دارو اردو میں بولا جاتا ہے ... (مداخلت) ... ایک منٹ میں اسکو صاف کردوں - دوا دارو اردو زبان کی ایک اصطلاح ہے - ... (مداخلت) .. سن لیجئے - اردو زبان بڑی بولی ہوئی زبان ہے - دوا دارو کا مطلب ہے پٹی - مرہم - دوا اور انجکشن - کوئی آدمی اس دارو کے چکر میں نہ رہے جو سزا کے نام پر ہندوستان کو موت کے حوالے کر رہی ہے - میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ وہاں انہوں نے میرے ساتھ بھی سختی کی اور درورھار کیا - جب انہوں نے مجھے بہت سخت دیکھا تو پولیس والوں سے اے - ڈی -

[डा० रत्नाकर पाण्डेय]

मुख्य मंत्री को सदन में बुलाया जाए (व्यवधान)

उपसभापति : आप लोग बैठिये (व्यवधान) एक मिनट, आप जरा बैठिए (व्यवधान) मौलाना साहब आप भी तशरीफ रखिये (व्यवधान)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Let the Home Minister make a statement. It is a dangerous situation.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : [अधिकारियों ने उनको बनारस नहीं जाने दिया (व्यवधान) यह सदन के सदस्यों का अपमान हुआ है (व्यवधान) मुख्य मंत्री को बुलाया जाए (व्यवधान)

उपसभापति : पाण्डेय जी, आप बैठिए, लीडर आफ दी हाऊस कुछ बोल रहे हैं (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, उनके बोलने से पहले हमें भी मौका मिलना चाहिए (व्यवधान)

उपसभापति : मुझे पता लगाने दीजिए मैं आपको मौका दूंगी (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि लीडर आफ दी हाउस के बोलने से पहले हमें भी सुन लें (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Please take your seat. ...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : Is Mr. Mathur representing the Government of Uttar Pradesh ?

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: No, I am representing Uttar Pradesh.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : The Government of Uttar Prakesh ?

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: No, I am representing Uttar Pradsh. ...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : Madam, I would like to know whether Mr. Mathur is representing the Government of Uttar Pradesh. ..(*Interruptions*)..

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया बिहार : उपसभापति महोदया, यह सदस्यों के अपमान का सवाल है। यहां राज्यों और केन्द्र का सवाल नहीं उठाया गया है (व्यवधान) एक सदस्य का अपमान किया गया है। उसके अधिकारों का हनन किया गया है, राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा हनन किया है (व्यवधान)

उपसभापति : आप बैठिये प्लीज। अहलुवालिया जी प्लीज़ बैठिये (व्यवधान)

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : यह बड़ी चिंता का विषय है (व्यवधान)

श्री शंकर दयाल सिंह : दूसरी बात यह है कि राज्य सभा के बुलेटिन में भी इसका कोई उल्लेख नहीं है (व्यवधान) अखबारों में होम मिनस्टिर (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Yadavji, please sit down, take your seat. Let me find it out. I want to ask of the Secretariat whether it has got a report from the Government or not. After I enquire from it, then, I will report to the House on what has happened in this matter. Then we will take it up latter on. If you want to send a privilege motion to the Chairman, you are welcome to do that. Now that matter is over. (*Interruptions*)

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH : Madam, I request you to ask the Minister to intervene. It is lso a question of the sanctity of the House .

मौलाना अबुंल्ला खान आजमी : मेरी गुजारिश है कि होम मिनिस्टर साहब इस पर अपनी राय का इजहार करें।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN) : The only point I want to submit for the informetion of the House is that what the hon. Member has raised seems to be very seious matter. We would like to have a report from the U.P. Government. Thereafter, whatever action is called for, the Deputy Chairman can take in her own right.

THE DEPUTY CHAIRMAN : He will find it out.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : यह सदस्य का प्रश्न है (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं जानता हूं कि इन लोगों के पेट में दर्द होता है।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : यू.पी. सरकार को डिसमिस कीजिए ··· (व्यवधान)

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): Madam, there is a breach of privilege. It should be treated accordingly.

THE DEPUTY CHAIRMAN : That matter is closed. I will not permit anything else now. I am not allowing anything to go on record. It is not going on record. Please sit down. It is not going on record after my ruling that I out from the Secretariat whether it has got any intimation from the authorities in U.P. or whichever place where he was arrested. (*Interruptions*)

Mathur Saheb, I will find it out. Leave it to Rajya Sabha to find it out. (*Interruptions*)

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH :*

THE DEPUTY CHAIRMAN : As I seid, it is not going on record. That metter is closed. I am not ellowing it. (*Interruptions*)

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH :*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Don't repeat it. After my ruling, there is nothing, there is no need to say anything.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : *

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH : *

THE DEPUTY CHAIRMAN : After I gave my ruling, nothig will go on record. The matter has to be investigate . Then I will report back to the House whether the Secretariat has got any information. The Home Minister will get it. Now that metter is closed. But a privilege mot on he can give.

Yes, Mr. Salve.

SHRI N.K.P. SALVE (Mah ra): I respectfully submit (*Interreptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN : Plea se. The Deputy Leader of the Party is on his legs.

SHRI Md. SALIM (West Benga) :*

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not permitting you. Please sit down. I am not permittinng anyone else. Anyone who speaks without my permission is not going on record.

SHRI KAILASH NARAIN SARANG (Madhya Pradesh) : *

THE DEPUTY CHAIRMAN : I said anybody speaking without my permission is not going on record. (*Interruptions*) I will allow you. Just a minute. Salve Ji, you kindly speak.

SHRI N. K. P. SALVE : Madam, I surrender and bow down to your ruling in the matter but there is very important angle. In the interest of the dignity and respect of this House I must mention that a lawfully elected Government of BJP in Uttar Pradesh is entitled to rule there. We have nothing against them, whether they rule in Uttar Pradesh or in Madhya Pradesh or in Himachal Pradesh. (*Interrupt ons*) Please, don't make it an issue. Listen to what I have to say in the matter. But there could be grievous errors which impinge on the rights of the Members of Parliament. All of us are entitled to travel in a train anywhere in the country free of cost. It is one of the privileges I enjoy by virtue of my membership of this august House. (*Interruptions*)

* Not recorded.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Just a minute. I have not permited you. please don't interrupt. I am not allowing you to interrupt.

SHRI N. K. P. SALVE : Madam, I am not bring in int question which Government is there, but my right to travel free of cost is a right bestowed on me by this House. Nobody can tinker with it. Therefore, if I am travelling in a train and if I am obstructed, it is a very very serious matter. It is a clear breach of privilege. I beg of you to consider since you are in your own right entitled to entertain a question of privilege. I am reading the proviso to rule 190 :

'Provided further that the Chairman may, if the is satisfied about the urgency of she matter, allow a question of privilege to be raised at any time during the course of a sitting after the disposal of questions.

I beg of you to consider it. It is far to serious a matter. Today it is a BJP Government; tomorrow it might be a Congress Government or a Janata Dal Government. That is irrelevant. What is relevant is whether or not what the hon. member has reported through you to the Chairman and made a grievance of it on the floor of the House, is a *prima facie* case. It is a very grievous breach of my privilege, our privilege and the privilege of this House. It is a grievous indignity bestowed on the House. It is an insult to the House that a Member has been treated in his manner. Therefore, under this rule I would beg of you to consider allowing this privilege to be discussed on the floor of the House so that not only the BJP Government, let all Government in the States know that a Member of Parliament has to be treated with a certain dignity, with a certain respect, and his privilege cannot be trampled upon in a ruthless manner as it appears it has been done.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : I fully associate my self with it. This is a grave matter which impinges upon the rights of the Members. It not only impinges upon the rights of the Members, but it is a reflection on parliamentary democracy.

It seems we are meant for a multi-coloured system in the whole of the country. It is not a one-party rule. Therefore, many parties are likely to come to power. If this is the way a party Government shall behave in a part of the country, then what happens to federamisc, what happens to democracy and what happens to our future ? I feel gravely alarmed because in this attitude lies the root of certain authoritarian trends which, if allowed unchecked, may definitely imperil the future of democracy of the country. Therefore, while agreeing totally I implore upon you to send the matter immediately to the Privileges Committee and take it up as seriously as possible.

SHRI SUKUMOL SEN (West Bengal): Madam, it is a serious case of privilege.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Mathur is raising his finger for a long time. Let him say what he wants to say.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया, मेरी इल्तजा है आपसे (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, इनका बोलने का हक नहीं बनता है।

उपसभापति : इनको बोलने दीजिए, हक बनता है . . . (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : . . . सारे मुसलमान मारे जा रहे हैं और . . . (व्यवधान)

उपसभापति : हाउस में हक बनता है . . . (व्यवधान)

No, Pandeyji, that is his privilege.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : कल्याण सिंह को यहां बुलाकर प्रताड़ित करें (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN : That is this privilege to speak, Please don't interrupt him. (*Interruptions*).. As a Member of this House, he has got a right to speak. I will permit him and protect him to speak as I have been doing in the case of other Members.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया, जहां तक इस सदन के किसी सदस्य के अधिकार का हनन का सवाल है उस पर कहीं दो मत नहीं हो सकते, मैं इस बात से सहमत हूं वरिष्ठ सहयोगी से कि यदि इसमें प्राइमाफेसी केस बनता है, अगर प्रिविलेज बनता हो तो उसमें कहीं एतराज होने का सवाल ही नहीं है। आपने बिल्कुल सही कहा है कि इसमें कोई भा. ज.पा. की सरकार का प्रश्न नहीं है, कांग्रेस सरकार का कोई सवाल नहीं है, इस सदन की गरिमा और इस सदन के सदस्य के अधिकार का प्रश्न है . . . (व्यवधान)

डा. रत्नाकर पाण्डेय : लेकिन Madam, there should be no "but" in his speech.

एक माननीय सदस्य : यह क्या तरीका है··· (व्यवधान) बोलने दीजिए इनको, आप बैठिए ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : लेकिन सवाल यह है कि (व्यवधान) क्या बात है केस बनता है या नहीं बनता है, इसको तय करने का अधिकार भी मेरा नहीं है, इस सदन का है या चेयरमैन महोदया का है, बात सच है, लेकिन मुझे दुःख यह है कि एक विशेष सरकार को बदनाम करने के लिए इस सदन का दुरुपयोग किया जाता है ।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pandicherry) : Mr. Mathur, you are very senior Member, Don't you know the procedure ?

श्री एन० के० पी० साल्वे : मैंने किसी सरकार पर आक्षेप नहीं लगाया, मैंने किसी पार्टी पर आक्षेप नहीं लगाया । माथुर साहब, मैंने किसी गवर्नमेंट पर आक्षेप नहीं लगाया, मैंने यह कहा कि ट्रेन में जब हम सफर कर रहे हैं··· (व्यवधान)

उपसभापति : शिवशंकर जी आप बोलेंगे (व्यवधान)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : It is a total reflection on the dignity of the House.

डा. रत्नाकर पाण्डेय : एक सदस्य का अपमान करने के लिए (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN : I have permitted Shiv Shankerji.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया, मेरा कहना यह है कि क्या इस सदन का उपयोग किसी विशेष सरकार के ··· (व्यवधान) के ऊपर किया जाना चाहिए, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि किया है, मैं यह कह रहा हूं कि क्या इस सदन का दुरुपयोग किया जा सकता है या किया जाना चाहिए··· (व्यवधान) मुझे पूरी बात कहने दीजिए ।

उपसभापति : माथुर साहब, आपने अपनी बात कह दी, अब शिव शंकर जी को बोलने दीजिए··· (व्यवधान)

डा. रत्नाकर पाण्डेय : आपका चेहरा बेनकाब हो चुका है··· (व्यवधान) इस सदन का अपमान उत्तर प्रदेश (व्यवधान) उसको बुला करके यहां प्रताड़ित किया जाए (व्यवधान)

उपसभापति : माथुर साहब, कृपया आप जरा अपना स्थान ग्रहण कीजिए ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मुझे पूरी बात कहने दीजिए ।

उपसभापति : आपने अपनी बात कह दी, अब दूसरे को भी कहने दीजिए (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : वह आज की बात नहीं है, कई दिन पहले की बात है । मैं पूछना चाहूंगा अपने मित्रों से कि मित्रों, (व्यवधान) अगर यह घटना कल की होती, आज की होती··· (व्यवधान)

उपसभापति : माथुर साहब बेइज्जती कभी भी हो बेइज्जती ही होती है ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : बात तो पूछ लीजिए बेइज्जती नहीं है ।

उपसभापति : शिव शंकर जी बोलिए··· (व्यवधान) अगर किसी मैम्बर की बेइज्जती होगी । I will protect every Member of the House.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैंने स्वीकार किया है पहले कि जहां पर सदन की गरिमा थी किसी सदस्य को अधिकार है तो उसका हनन नहीं होना चाहिए और··· (व्यवधान) जरूर दे दीजिए मैं मना नहीं कर रहा हूं ।

उपसभापति : ठीक है बोलिए शिव शंकर जी··· (व्यवधान) अभी शिव शंकर जी को बोलने दीजिए ।

श्री जवदीश प्रसाद माथुर : शिव शंकर जी के बात मुझे बोलने देंगी।

उपसभापति : नहीं मैं बार-बार बोलने नहीं दूंगी आपको।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्यों?

उपसभापति : आपने अपनी बात कह दी है, अब क्यों का क्या मतलब है। आप कोई डिबेट पर तो नहीं बोल रहे हैं।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : नहीं कही है। मैंने अपनी बात पूरी नहीं कही है अभी नहीं कही है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is no debate. Let the Privileges Committee go into it.

उपसभापति : बहस मत कीजिए। The Privileges Committee will look into it. Please take your seat. Let the Chairman decide it.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : यह बात अलग है। मैं इनकी बात नहीं कर रहा, उसे मैंने स्वीकार कर लिया। **(व्यवधान)**

उपसभापति : वही बात है और कुछ नहीं है।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : लेकिन जो घटना हो गई, उस समय कुछ नहीं कहा गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोई रिपोर्ट नहीं की।

उपसभापति : वही तो पूछना है कि रिपोर्ट क्यों नहीं दी?

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : इसीलिए मैं निवेदन करूंगा कि जो कमेटी देखेगी वह पूरा देखे।

उपसभापति : देखेगी पूरा देखेगी। आप बैठिए··· **(व्यवधान)**।

श्री शंकर दयाल सिंह : मैडम माथुर साहब यह बेबुनियाद बात कर रहे हैं कि गिरफ्तार नहीं हुए··· **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, Please. Mr. Shiv Shanker.

SHRI P. SHIV SHANKER (Gujarat): Madam, I am on a slightly larger issue. The issue that has been raised is (a) the arrest and (b) the movement part of it, which my hon. friends have mentioned. I am on a larger issue in the sense, I am concerned with what our rights *qua* Members of Rajya Sabha are? Supposing a Member of Rajya Sabha is part of a delegation to go to a particular place for the purposes of looking into a particular incident that takes place; could he be stopped from going to that place for the purposes of trying to know the facts and come over and report to the House. If this the position that we can be stopped, forget about the other parts of it which my friends have referred to.... (*Interruption*). I am on a larger issue. Supposing some Members of this House go to that spot for the purpose of trying to know the facts so that they could c me back and raise the issue in the House, can we be stopped? If we have to be stopped and we can be stopped, then what is the purpose of our being Members of this House? What are our rights *qua* the incident that takes place? I am on a laryer issue. Therefore, my submission i that this whole issue, which has different facets, the facet of movement, the facet of arrest and the facet of stopping a person from going to the spot for the purpose of ascertaining the facts, may directly be referred to the Privileges Committee for the purpose of going into the details so that we may decide on the issue and the nation may be enlightened so that the Governments of the day in the States or at the Centre may not stop anyone hereafter.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed now. (*Interruptions*)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम मैंने सबसे पहले हाथ उठाया है मुझे बोलने दीजिए।

उपसभापति : पाण्डेय जी आप किस बात पर बोल रहे हैं?

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम मैं बिहार के बारे में बोल रहा हूं··· **(व्यवधान)**

उपसभापति : यू०पी० का मामला क्लोज हो गया।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैं बिहार पर बोल रहा हूं मैडम··· **(व्यवधान)**···

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow. Not now. Only one person can speak at a time. I will allow you afterwards.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : मैडम मुझे दिल्ली के बारे में कुछ कहना है।

उपसभापति : अभी एलाऊ करूंगी पाण्डेय जी जरा बैठ जायें · · · (व्यवधान) · · ·

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मैडम यह सभापति जी बिहार में अत्याचार अनाचार दुराचार, शोषण का राज चल रहा है और भ्रष्टाचार चरम-सीमा पर है। मदपुरा जिला एवं सहरस जिला में भयंकर जाति-उन्माद फैला हुआ है, चारों तरफ लूटमार हो रही है, लोग घर छोड़कर भाग रहे हैं और · · · (**व्यवधान**)

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : मे।म, पाइंट आफ आर्डर।

उपसभापति : एक मिनट पांडेय जी। पाइट आफ आर्डर क्या है?

श्री चतुरानन मिश्र : मेरा पाइट आफ आर्डर यह है, पांडेय जी भी सुनें, कि आप पूरे बिहार का इस तरह से कह रहे हैं, बदनाम कर रहे हैं · · · (**व्यवधान**) · · ·

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मैं मदेपुरा और सहरसा की बात कर रहा हूं।

श्री चतुरानन मिश्र : लेकिन बार-बार आपने बिहार-बिहार कहा। आप वापिस कर लीजिए · · · (**व्यवधान**) · · ·

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मैं जानना चाहता हूं माननीय उपसभापति जी कि मधेपुरा और सहरसा पोलैंड में हैं क्या या चीन में है या जापान में है?

श्री चतुरानन मिश्र : अगर मधेपुरा के बारे में · · · (**व्यवधान**) · · ·

उपसभापति : पाण्डेय जी, आप अपनी बात संक्षेप में बोलिए।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, बोल रहा हूं, मुझे बोलने नहीं दे रहे हैं। मैं कह रहा था कि वहां पर भयानक अत्याचार और अनाचार चल रहा है और दो जातीय गुटों का संघर्ष इस तरह फैल गया है कि हजारों एकड़ जमीन का खेत पुलिस खड़े होकर कटवा रही है और वहां के जो विधायक है, जो सांसद हैं, वे चुपचाप देख रहे हैं। मुख्य मंत्री को कहा कहा गया लेकिन मुख्य मंत्री ध्यान देने को तैयार नहीं है। वहां के विद्या सिंह, दरोगा सिंह, अर्जुन सिंह, कार्तिक सिंह का घर जला दिया गया, खेत काट लिया गया, सम्पत्ति लूट ली गई। लोग घर छोड़ कर भागे हुए हैं। पुलिस प्रशासन एकदम निक्कमा है। जातीय उन्माद पैदा हो गया है और राजनीतिक प्रतिशोध से ऊंची जाति व यादवों के बीच तनाव उत्पन्न कर दिया गया है। मुख्य मंत्री वहां पर फेल हो गए हैं।

इसलिए मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूं कि केन्द्रीय सरकार की तरफ से तुरन्त वहां पर हस्तक्षेप किया जाए और वहां पर केन्द्रीय अर्ध सैनिक बल नियुक्त किए जायें।

उपसभापति : आपने कह दिया है, बैठिये पाण्डेय जी। Mr. Kulkarni, since you wanted to say something, I will call you.

डा. रत्नाकर पाण्डेय : एक केन्द्रीय दल घटना-स्थल पर जाए और वहां जांच करे। गृह मंत्री या राज्य गृह मंत्री वहां जाकर जांच करें। सदस्यों का एक दल वह भेजा जाए और जो करोड़ों रुपयों की सम्पत्ति का नुकसान हुआ है, उसको दुरुस्त किया जाए।

उपसभापति : बैठिए। आपकी बात हो गई।

डा. रत्नाकर पाण्डेय : और सबसे बढ़कर लालू प्रसाद की सरकार जो गुंडागर्दी कर रही है, शोषण कर रही है, जातीय विद्वेष फैला रही है, भ्रष्टाचार कर रही है उसको खत्म किया जाए।···(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. A.G. Kulkarni.

श्री ईश दत्त यादव : (उत्तर प्रदेश) : मैडम, हमको भी टाइम दे दीजिए।

उप सभापति : मैंने आपको देख लिया है। मेरी याद दाश्त अच्छी है, इतनी बुरी नहीं है।

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): Madam, I have been raising my hand from the beginning. You promised that you will call me.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have called you.

SHRI A. G. KULKARNI: But I because of my age and faltering voice, I cannot make myself bold to outwit either my friend / Mr. Pandey or.. (*Interruptions*) But I think now the days of people like me are over because the Chair is not protecting me.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The time has come when the Chair should be proteced (*Interruptions*). Now, may I ask Mr. Gandhi to spea ? (*Interruptions*). I will call you. (*Interruptions*).

SHRI A.G. KULKARNI: What is the use of it? You are only looking to the people who are shouting and not to the saner elements. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I take a very serious note of it. I am looking at the peple who are shouting to ask them to stop shouting. I have to look at them to ask them to keep quiet. (*Interruptions*).

SHRI A. G. KULKARNI: I think, you are unsuccessful.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now if that is the observation, then I will go ahead with the business—Calling Attention to Matter of Urgent Public Importance. All right. I am only doing my job. (*Interrutions*). The comment which he made on the Chair is unfortunate. I am going ahead with the business and I won't allow anybody to speak. (*Interruptions*). That is an aspersion cast on the Chair. I have to take note of it. (*Interruptions*). Everybody clapped for it. So I thought everybody wants me to go ahead with the business. (*Interruptions*). I am not taking it as an offence. I am taking it as a support to me that now onwards, peoply will go ahead with proper voices. Okay. Let us proceed with the Calling Attention. (*Interruptions*). When a Member passes such a comment on the Chair, some Members at least should say. What should I do when Mr. Pandey is on his legs or somebody else is on his legs? At that time everybody wants to speak. (*Interruptions*).

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Madam, you are doing a first class job. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't need praise. I know what I am doing.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Now, Madam, call me.

SHRI P. SHIV SHANKER: Madam, an elderly member of this House Mr. A. G. Kulkarni on many an occasion, does not mean what he says,.

THE DEPUTY CHAIRMAN I know it.

SHRI P, SHIV SHANKER: Madam, may I refer to his observation when he observed himself to be a part of the saner element which casts aspersions on others; I am sure he does not mean it, but he has said it. I would request you..(*Interrutions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not getting angry at all. I am laughing because he is helping me out. It will help me to run the House properly. I am not angry with him. He is a respectable person..(*Interruptions*).

Re PROTECTION OF THE DISPUTED SHRINE IN AYODHYA

SHRI RAJ MOHAN GANDHI (Uttar Pradesh): Madam Deputy Chairman, you have very kindly called me ad through you I beg the calm attentint of the House and the Government. A the last meeting of the National Integration Council the Chief Minister of Uttar Pradesh gave an assurance to the NIC and to the nation that the disputed structure in Ayodhya would be protected by his Government. This morning in the reprted newspaper *The Economic Times* this story has appeared on the front page: